

को पेज है १४

डबो

01/7/22

पञ्जाबी पेश दुर्ग | वक्रवर्ती उपान
पहल पुनी गई | पञ्जाबी वालि कोडर
डिग्रेड 13/7/22 को पेज है १४

डबो

13/7/22

आज यह पञ्जाबी वालि कोडर पेश
दुर्ग | प्रतिवादी वकील ने निवेदन किया
कि एण्डू की (वालेदायी हेतु दावा हुआ
है जो जेल चला गया, वापिस नहीं
कामा और माई का लड़का है। ~~इस~~
एण्डू भर गया। लड़की को मोर्चे अधिकार
नहीं है। एण्डू भर गया भा जीवित है
जब तक यह भावित नहीं होगा तब
तक संपत्ति का फैसला संसे हो।
Cause री अधिन अधिसे नहीं
हुआ। पैरा नं. 2 - सिविल कोर्ट में
पहले डिक्लेयर कराये। एण्डू भरा
या नहीं, जब तक यह लय नहीं होगा
तब तक Cause री अधिसे नहीं होगा।
पैरा नं. 5 में (क्व) वालेदायी है जो
कोर्ट में आये। पैरा नं. 3 कवले

के बारे में है। (1) एक बार गया
एक बारिस है (2) एक बार गया
नहीं। प्रतिवादी वकील के द्वारा PRT
पेश किया, जिसके अनुसार
2016-PJ-RRT-P.462-HC-
कोर्ट के आधार पर नहीं, 2011-
RRT-REV B-P721-Full Bench
- सावधान नहीं, SC-Judgement-
WLC 2006-P II-P 253-without
Considering any other material
दोनों ही संदर्भ में cause of action
मिले नहीं होगा है। इसलिए दावा
खारिज है। इसके अलावा वकील
ने अवगत कराया कि वाद में
लग्गी बनाकर ही डिमांड है। जब
तक Evidence नहीं रही cause
of action बना ले। पैरा नं. 8
अनुसार दिनांक 11.6.18 को विवादात्मक
मूल्य के बावजूद मैंने दावा पेश किया

सिविल कोर्ट में जाने की आवश्यकता
 नहीं है। एप्लीकेटिव पत्र में स्पष्ट है कि
 नवंबर के बाद गाई कोर्ट लापता है
 जो प्राप्त हुए माना जाएगा। कॉन्फेसजन
 ले सकते हैं। Issue फॉर्मले बनाया,
 सिविल कोर्ट को ट्रांसफर हो जाएगा।
 20 नवंबर ट्रांसफर करने का पावर है।
 Application केवल विलम्ब करने
 के लिए है। मेरा निवेदन शफर कोर्ट
 से ही है। प्रां पत्र अप्रिप्ट हो। पुनः
 प्रतीवाही वसील ने निवेदन किया कि
 Issue बनाकर लय होने को कहा है
 पर Poime Jacie लगता है ले कोर्ट
 कर सकती है।

विडान अधिवक्ताओं भी वदत पर
 भगन किया गया। कानूनी सिन्ड्रे प्रह
 है कि एण्टू भर गया था जीवित है।
 एम प्रह लय नहीं कर सकते। सिविल
 कोर्ट में पहले प्रह लय हो एवं उत्तराधिकार
 घोषित हो। उसके बाद दावा करने
 का अधिकार है। उत्तराधिकारों के
 आधार पर प्रां पत्र 0 नर ॥ वीकार

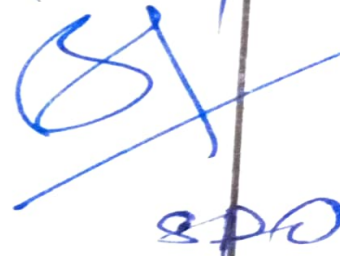
मुकाम

बनाम

न

हुकम या कार्यवाही मय इनीशियल्स जज

किया जाना अथवा प्रतीत होता है।
 कल! अथवा अथवा मे प्रां पत्र 07R॥
 स्वीकार किया जाता है। प्रां पत्र 07R॥
 के स्वीकार होने पर दावा खारिज
 किया जाता है। पत्रावली फ़ैल
 सुकार होकर शिफ्ट से कम की
 जाने। बाद में इफ़ल वारिबल है।



890